शोध संचयन
SHODH SANCHAYAN
ISSN 2249-9180 (Online)
ISSN 0975-1254 (Print)
RNI No.: DELBIL/2010/31292

Bilingual journal of Humanities & Social Sciences

Half Yearly

Vol. 1, Issue 2, 15 July, 2010

आचार्य बाबूराम अवस्थी-व्यक्तित्व और कर्तृत्व

डॉ० (श्रीमती) सुशीला सिंह

प्रवक्ता, हिन्दी, भगवानदीन आर्य कन्या स्ना० महाविद्यालय, लखीमपुर-खीरी

www.shodh.net

आचार्य बाबूराम अवस्थी-व्यक्तित्व और कर्तृत्व

डॉ० (श्रीमती) सुशीला सिंह

भगवानदीन आर्यकन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संस्कृत प्रवक्तापद पर कार्यरत सुरचना त्रिवेदी का शोध प्रबन्ध 'आचार्य बाबूराम अवस्थी:व्यक्तित्व और कर्तृत्व'(पी-एच0डी0) लखीमपुर-खीरी जनपद के गौरव तथा सन् 1929 में जन्मे आचार्य बच्चूलाल अवस्थी 'ज्ञान' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का शोधात्मक तथा तथ्यपरक विवेचन प्रस्तुत करता है।

शोध प्रबन्ध को मुख्यत: तीन खण्डों-प्रथम (व्यक्ति) खण्ड दो में कर्तृत्व तथा तृतीय परिशिष्ट खण्ड में विभाजित किया गया है। पुन: व्यक्तित्व खण्ड को चार अध्यायों में विभाजित करते हुए आचार्य अवस्थी के व्यक्तित्व का सामान्य परिचय, वंश-परम्परा, जीवन शैली, शिक्षा, गृहस्थ जीवन, अध्यापन कार्य तथा व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं के साथ काव्य सर्जना के अभ्युदय एवं विकास की विस्तृत चर्चा की गई है। इसके अतिरिक्त संस्कृत परिषद् के सन्दर्भ में आचार्य अवस्थी के जीवन का वह रूप प्रदर्शित किया गया है जो संस्कृत सेवा के लिए नि:शेष रूप से अर्पित रहा। संस्कृत परिषद् की स्थापना तथा संचालन हेतु आचार्य जी के समर्पित व्यक्तित्व के साथ परिषद की सोद्देश्यता को विस्तार से उल्लिखित किया गया है। इस प्रकार प्रथम खण्ड में आचार्य जी की जीवनी हेतु शोधकर्त्री द्वारा साक्षात्कार विधि तथा समकालीन व्यक्तित्वों से प्राप्त तथ्यों को प्रामाणिक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

खण्ड दो में कर्तृत्व को सात अध्यायों में विभक्त करते हुए विवेच्य साहित्यकार के कर्तृत्व का विवेचन व मूल्यांकन किया गया है। इसके अन्तर्गत युगीन परिस्थितियों के वर्णनोपरान्त आचार्य जी की काव्य कृतियों - युगदर्शनम्, लोक गीताञ्जलि: का सामान्य परिचय व काव्य की दृष्टि से विवेचन, कथा साहित्य -'कथा द्वादशी' की कथाओं की सोद्देश्यता, निबन्ध संग्रह- 'लेखलतिका' की निबन्धों का निबन्धकला की दृष्टि से विश्लेषण, 'नाट्य ग्रंथ-'नाट्य जीराजनम्' तथा 'नाट्य नवनीतम्' के छत्तीस एकांकियों का परिचय तथा नाट्यकथा की दृष्टि से मूल्यांकन, व्याकरण रचना, व अनुवाद पर आधारित संस्कृत बोधिनी तथा संस्कृत शिक्षक पुस्तकों का विवरण एवं संस्कृत सम्भाषण की प्रेरणा के उद्देश्य से रचित सरल संस्कृत सम्भाषण् ग्रंथ पुस्तक की विषयवस्तु पर विस्तृत चर्चा की गई है। संस्कृत सेवा के अतिरिक्त शोधकत्री द्वारा आचार्य जी की हिन्दी सेवा के अन्तर्गत हिन्दी भाषा में रचित 'मानसवीचि-विलास', ललितलेखमाला, सुविचार सुधा (अप्रकाशित) काकली कुञ्ज, (अप्रकाशित) ग्रंथों पर सामान्य अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही आचार्य जी द्वारा सम्पादित कृति मनोरम रत्नावली तथा स्फुट अनूदित रचनाओं का परिचय दिया गया है। शोधकर्त्री ने समस्त काव्यग्रन्थों का काव्य समीक्षा के सामान्य सिद्धान्तों के आधार पर आकलन करते हुए भावपक्षीय तथा कलापक्षीय दृष्टि से आचार्य जी के काव्यशिल्प पर प्रकाश डाला है।

तृतीय खण्ड परिशिष्ट को दस खण्डों में विभक्त करते हुए इसमें प्रस्तुत आचार्य जी की कुण्डली, हस्तलेख के अंश अप्रकाशित कथा तथा छन्दानुवाद, पुरस्कार व अभिनन्दन पत्रों के छाया चित्र, अन्य विद्वानों द्वारा प्रदत्त व प्रेषित प्रशस्तियाँ व शुभाशंसाएँ, संस्कृत परिषद् की स्मारिका का मुख पृष्ठ, आचार्य जी के गीतों की संगीतज्ञों द्वारा बनाई गई स्वरलिपि, आचार्य जी के व्यक्तित्व व कर्तृत्व का समग्र व प्रभावशाली रूप प्रस्तुत करती है। जनपदीय तथा आधुनिक संस्कृत साहित्यकारों के योगदान की दिशा में यह ग्रंथ प्रकाशस्तंभ है। क्योंकि इसमें साहित्यकार के जीवन के प्रत्येक पक्ष का गम्भीरता पूर्वक विश्लेषण किया गया है। आधुनिक संस्कृत साहित्य संवर्द्धन के उद्देश्य यह शोध प्रबन्ध अति उपादेय सिद्ध होगा।

शोध-''आचार्य बाबूराम अवस्थी:व्यक्तित्व और कर्तृत्व''
शोधार्थी- सुरचना त्रिवेदी
शोध निर्देशिका-डॉ० पुष्पा मलिक, विभागाध्यक्ष,भगवानदीन आर्य कन्या स्ना० महाविद्यालय, लखीमपुर-खीरी
सीएसजेएम विश्वविद्यानय,कानपुर, उपाधि वर्ष-२०१०